

# Inhalt

|                            |    |
|----------------------------|----|
| Aufhellung                 | 5  |
| Fotografie                 | 6  |
| Magisches Auge             | 7  |
| Monat im Spiegel           | 8  |
| Jährliches '85             | 9  |
| Großstadt                  | 10 |
| Vorab                      | 11 |
| Benedorm                   | 12 |
| Ort                        | 13 |
| Monolog                    | 14 |
| Aushang                    | 16 |
| Stimmung                   | 17 |
| Leugnung                   | 18 |
| Taglied                    | 19 |
| Zwei Lehrsätze             | 20 |
| Abschied                   | 21 |
| Abschied, die paar Zeilen  | 22 |
| Antiapoll                  | 23 |
| Städte, Ruinen             | 24 |
| Zum Abschied               | 25 |
| Sommer                     | 26 |
| Herbst                     | 27 |
| Anbitte                    | 28 |
| Oktober                    | 29 |
| November                   | 30 |
| Begegnung / Sehnsucht      | 31 |
| Von Mitternacht bis Morgen | 32 |

|                                        |    |
|----------------------------------------|----|
| Abend                                  | 33 |
| An Gott                                | 34 |
| Nachts, erwachende Stadt, an Siegfried | 35 |
| Zenit                                  | 36 |
| Vacat                                  | 37 |
| Altes Selbstporträt                    | 38 |
| Beschuldigung                          | 39 |
| Gestundet – Vor dem Tore               | 40 |
| Ankunft                                | 42 |
| Traum-Zeit                             | 43 |
| Die sechzig Jahr                       | 46 |
| Abgerissen                             | 49 |
| Laokoon: Standbild, erstarrt           | 50 |
| Gestirne                               | 51 |
| Kalender / Kalenderblatt               | 52 |
| Auf / Schrei                           | 53 |
| Schnee, Angst, Regen, Sonne            | 54 |
| Heilung / Genesung                     | 55 |
| An / Schein                            | 56 |
| Brief                                  | 57 |
| Ortsangabe                             | 58 |
| Zauber-Spruch                          | 59 |
| Traumreigen                            | 60 |
| Vergangenheit, Anspielungen            | 63 |
| Dienstag, Andacht                      | 65 |
| Donnerstag                             | 66 |
| Unterwegs, die Angst                   | 68 |
| Monat                                  | 70 |
| Der Tod und das Mädchen                | 71 |
| Die Verlobung                          | 72 |
| Annäherung                             | 75 |
| Schmuckstück (I)                       | 76 |
| Schmuckstück (II)                      | 77 |
| Sehnsucht                              | 78 |
| Komm                                   | 79 |

|                                         |     |
|-----------------------------------------|-----|
| Afrika, Berlin                          | 82  |
| Vögel                                   | 86  |
| Letzte Kalenderblätter                  | 89  |
| Die Stille; der grüne weite Vogel Leben | 92  |
| Vierundzwanzig Stunden und länger       | 95  |
| Reigen                                  | 104 |
| Geflüster                               | 108 |
| Erntelied / Herbstlied                  | 112 |
| Dorisches                               | 115 |
| Dezember – Mein Epos                    | 119 |
| Frühgeburt                              | 125 |
| Die zwölf Monate                        | 127 |